मूल्य 50/-

जनवरी–मार्च 2024

संयुक्त व्यापार

भारतीय प्लास्टिक इंडस्ट्री के

टाप 5 यूथ आइकॉन

आर.एन.आई.नं.UPHIN/2015/69502

अपनी दूरदर्शी सोच से खुशबू दोशी ने उद्योग को दी मजबूती

खूशबू दोषी
प्रबंध निदेशक, Rajoo Engineers
राजकोट, गुजरात

वर्ष 2013 में खुशबू के पिता चंद्रकांत दोशी ने जीवन की अंतिम सांस ली परंतु आखिरी वक्त उनके चेहरे पर संतोष की छाया थी कि वह खुशबू दोशी के हाथों में कंपनी के भविष्य के कमान सौप कर जा रहे है। और खुशबू ने तभी से 'राजू इंजीनियरर्स लि0' को तरक्की की ओर ले जाने में अपनी महत्वपूर्व भूमिका निभाई।

भारत में बिजनेस के क्षेत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी का प्रतिशत अभी कम है, हालांकि महिलाएं अब नौकरियां तो करने लगीं हैं परन्तु अब भी उन्हें बिजनेस के क्षेत्र में बुद्धिजीवी का दर्जा नहीं दिया जाता। ज्यादातर लोग जहाँ एक पुरुष को औरत के बदले बिजनेस चलाने के लिए ज्यादा प्रबल मानते हैं तो वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं जिन्होंने इस बेड़ियों को तोड़ कर अपने बिजनेस की विरासत को न केवल आगे बढ़ा रहीं अपितु उसे सफलता की बुलंदियों तक ले जा रही है। आज हम

जिस महिला की बात करने चल रहे हैं उनका भी किस्सा कुछ ऐसा ही है , कम उम्र में बिजनेस क्षेत्र में आकर उन्होंने न केवल महिलाओं बल्कि पूरी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक काम किया है।

प्रत्येक इंसान की तरह खुशबू ने भी एक सपना देखा था और उसे साकार करने के लिए उन्होंने आर्किटेक्चर किया ,फिर लंदन से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग का कोर्स किया परन्तु करियर के इस पड़ाव पर पिता का साथ छूट गया। हम यहाँ बात कर रहे हैं राजू इंजीनियरर्स लि0 की प्रबंध निदेशक खुशबू दोशी की। खुशबू दोशी जिनके पिता चंद्रकांत दोशी की अस्वस्थता को देखते हुए उनकी इस एकलौती संतान खुशबू ने यह फैसला किया की उन्हें पिता की देखभाल एवं सेवा के लिए हर हल में राजकोट में रहना चाहिए, मात्र 21 वर्ष की उम्र में खुशबू के इसी गंभीर और निर्णायक फैसले ने उनके सपनो की दिशा मोड़ दी। वह राजकोट वापस आ गई और पिता की सेवा करने के साथ अपने चाचा राजेश दोशी और पिता चंद्रकांत दोशी की मेहनत से खड़ी की गई कंपनी राजू इंजीनियरर्स लि0 के कार्यों में हाथ बटाने लगीं। निश्चित रूप से यहां खुशबू के लिए बिल्कुल नए क्षेत्र में काम करना बड़ी चुनौती थी लेकिन पितृ प्रेम के आलोक में उन्होंने नए रास्ते में अपना एक मजबूत कदम रखना शुरू किया। मजबूत लीडरशिप स्केल और अपने अंदर सीखने के अद्भुत क्षमता की वजह से उन्होंने चंद ही समय में बिजनेस की हर बारीकियों पर अपनी मजबूत पकड़ हासिल की। वर्ष 2013 में खुशबू के पिता चंद्रकांत दोशी ने जीवन की अंतिम सांस ली परंतु आखिरी वक्त उनके चेहरे पर संतोष की छाया थी कि वह खुशबू दोशी के हाथों में कंपनी के भविष्य के कमान सौप के जा रहे है। और खुशबू ने तभी से 'राजू इंजीनियरर्स लि0' को तरक्की की ओर ले जाने में अपनी महत्वपूर्व भूमिका निभाई।

1986 में शुरू हुई एक मामूली सी कंपनी 'राजू इंजीनियरर्स लि0 ' आज ब्लो फिल्म और शीट एक्सट्रूजन लाइनों में वैश्विक स्तर पर प्रचलित कंपनी बन चुकी है। ब्लो फिल्म और शीट एक्सट्रूजन लाइनों में अपने केंद्रित प्रयासों के कारण, कंपनी को प्रीमियम प्राप्त है। इस क्षेत्र में बाजार की स्थिति एक प्रौद्योगिकी–संचालित कंपनी होने के नाते, उत्पाद नवाचार, विश्व स्तरीय गुणवत्ता, अत्याधुनिक कारीगरी, बढ़ी हुई ऊर्जा दक्षता और उच्च स्तर का परिष्कार और स्वचालन राजू की पहचान बन गए हैं। इन सभी वर्षों के दौरान कंपनी के उत्पाद वैश्विक मंच पर स्थापित हुए हैं। दुनिया के कई देशों में प्रतिनिधित्व और 70 से

खुशबू दोशी के परिवर्तनकारी नेतृत्व और दूरदर्शी दृष्टिकोण ने राजू इंजीनियर्स की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दूसरी पीढ़ी के उद्यमी के रूप में, नवाचार को आगे बढ़ाने, फोम व्यवसाय जैसी नई अवधारणाओं को पेश करने और वैश्विक बाजार में कंपनी के विस्तार का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता उन्हें उद्योग में एक अभिनव शक्ति के रूप में प्रदर्शित करती है।

अधिक देशों में ग्राहकों के साथ, 1990 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी शुरुआत के बाद कंपनी का निर्यात कई गुना बढ़ गया है। राजू इंजीनियर ने भारत की सबसे बड़ी 3 लेयर ब्लो फिल्म वर्टिकल स्पाइरल डाई के साथ का निर्माण किया है। साथ 2016 से 2023 के बीच कंपनी ने बहुत सी उपलब्धिया हासिल की हैं जैसे टीयूवी द्वारा प्रमाणित कम ऊर्जा खपत वाली पेंटाफॉइल सीरीज लॉन्च हुई, भारत की पहली एकीकृत, फिर भी मॉड्यूलर, गैर–बुने हुए कपड़े और स्वचालित N95 मास्क बनाने वाली लाइनें लॉन्च की गईं, PentaFoil®-POD-नई पीढ़ी की 5 परत वाली ब्लो फिल्म लाइन लॉन्च की गयी ऐसे ही बहुत सी मशीने लांच हुई। राजू इंजीनियरर्स लि0 आज भारत का जाना पहचाना ब्रांड बन चूका है। राजू इंजीनियर का उद्देश्य दुनिया भर में प्लास्टिक एक्सट्रूजन मशीनरी के लिए सबसे भरोसेमंद और समाधान प्रदाताओं में से एक बनना है साथ ही नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को अपनाते हुए सभी हितधारकों का सर्वोत्तम हित तलाशना है।

बताते चलें राजू इंजीनियरर्स लि0 की प्रबंधक निदेशक खुशबू दोशी को इंडिया एमएसएमई में वर्ष की महिला उद्यमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। शांत और शालीन स्वभाव रखने वाली खुशबू दोशी नवाचार में रूचि रखती हैं और अपनी कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए लगातार नए इनोवेशन पर जोर देती हैं। खुशबू दोशी के परिवर्तनकारी नेतृत्व और दूरदर्शी दृष्टिकोण ने राजू इंजीनियर्स की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दूसरी पीढ़ी के उद्यमी के रूप में, नवाचार को आगे बढ़ाने, फोम व्यवसाय जैसी नई अवधारणाओं को पेश करने और वैश्विक बाजार में कंपनी के विस्तार का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता उन्हें उद्योग में एक अभिनव शक्ति के रूप में प्रदर्शित करती है। खुशबू की विविध शैक्षिक पृष्ठभूमि, जिसमें आर्किटेक्चरल डिग्री, यूके से औद्योगिक उत्पाद डिजाइन में मास्टर डिग्री और आईआईएम अहमदाबाद और आईआईएम बैंगलोर से उन्नत डिग्री शामिल है, उनकी बहुमुखी विशेषज्ञता को रेखांकित करती है। कौशल का यह अनूठा मिश्रण उन्हें चुनौतियों से निपटने, सोच–समझकर निर्णय लेने और कंपनी के विकास को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। खुशबू दोशी के परिवर्तनकारी नेतृत्व और दूरदर्शी दृष्टिकोण ने राजू इंजीनियर्स की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नई पीढ़ी के उद्यमी के रूप में, नवाचार को आगे बढ़ाने, फोम व्यवसाय जैसी नई अवधारणाओं को पेश करने और वैश्विक बाजार में कंपनी के विस्तार का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता उन्हें उद्योग में एक अभिनव शक्ति के रूप में प्रदर्शित करती है। ■